एशियाई खेलों में पदक की प्रबल दावेदार है भारतीय टेबल टेनिस टीम : हरमीत देसाई

सूरत

एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम में शामिल हरमीत देसाई का कहना है कि उनकी टीम इस बार पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। हरमीत के अनुसार भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिससे टीम प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

साथ ही कहा कि भारतीय टीम एशिया की सबसे मजबूत टीमों को भी कड़ी टक्कर देने में सक्षम है। उन्होंने कह कि अभी टीम एशियाई खेलों के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय पुरुष टीम में हरमीत के अलावा मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी. साथियान और पायस जैन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हरमीत ने कहा कि उनकी टीम बेहद संतुलित होने के साथ ही बड़े मुकाबलों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने पहले भी विश्व की र्ष टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित की है। हरमीत के अनुसार, जब हमारा दिन अच्छा रहा है और फार्म साथ रही है, तब हमने बड़ी टीमों को मात दी है। इस बार भी हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि टीम शीर्ष एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ नियमित मुकाबले खेलकर अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही है। कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जापान, चीन और कोरियाई खिलाड़ियों का लगातार सामना करने से भारतीय खिलाड़ी उनकी तकनीक और खेल के स्तर को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं, जिससे उनकी अपनी खेल शैली में भी काफी सुधार हुआ है। हरमीत स्वयं जर्मनी में अपने चीनी कोच फू योंग के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की बारीकियों को समझने में मदद करता है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए पेशेवर बदलावों से भी टीम बेहतर हुई है। अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज हर खिलाड़ी के पास अपनी अलग सपोर्ट टीम है, जिसमें व्यक्तिगत कोच, स्पैरिंग पार्टनर, फिजियोथेरेपिस्ट, फिजिकल ट्रेनर और डाइटीशियन शामिल हैं। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पांच-छह साल पहले अधिकांश खिलाड़ियों के पास ऐसी सुविधाएं नहीं होती थीं। इस प्रगति में सरकार की बढ़ी हुई आर्थिक मदद, कारपोरेट प्रायोजकों की एंट्री और नियमित लीगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएलः यश के अर्धशतक और परीक्षित के तीन विकेट से नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली। यश भाटिया के शानदार अर्धशतक और परीक्षित सहरावत की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को 39 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नार्थ दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 166 रन बनाए, जिसके जवाब में आउटर दिल्ली की टीम सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी। नार्थ दिल्ली की ओर से यश भाटिया ने 38 गेंदों पर 53 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद कौशल सुमन ने 26 गेंदों पर 33 रन बनाकर उपयोगी योगदान दिया। परीक्षित सहरावत की घातक गेंदबाजी 167 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आउटर दिल्ली वारियर्स की शुरुआत खराब रही। नौवें ओवर तक टीम 47 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद हर्ष त्यागी ने आक्रामक अर्धशतक लगाकर टीम की उम्मीदें जगाईं, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से वारियर्स की पारी संभल नहीं सकी। नार्थ दिल्ली के परीक्षित सहरावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 10 रन देकर तीन विकेट लिए और एक मेडन ओवर भी डाला।

हेडिंग्ले में एक भी मैच नहीं रखे जाने पर भड़के स्टोक्स सहित कई दिग्गज

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स सहित कई अन्य दिग्गजों ने साल 2027 की एशेज सीरीज के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा है कि एक भी मैच हेडिंग्ले मैदान में नहीं रखा जाना गलत है। स्टोक्स ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के इस फैसले पर हैरानी जतायी है। उन्होंने कहा कि उत्तरी इंग्लैंड में किसी भी स्थाल को शामिल नहीं किये जाने का फैसला समझ से परे है। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर अपनी निराशा जतायी। उन्होंने लिखा, शर्मनाक कहना भी इसके लिए कम होगा। सबसे सही शब्द बेतुका कहना रहेगा। इससे पहले ईसीबी ने घोषणा की थी कि 2027 की एशेज सीरीज ट्रेंट ब्रिज, लार्ड्स, एजबेस्टन, रोज बाउल और ओवल में खेली जाएगी। इससे साफ है कि ऐतिहासिक हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम दोनों को इस सीरीज से बाहर कर दिया गया है, जिससे यहां के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों को निराशा हई है। स्टोक्स से पहले। टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट ने भी उत्तरी स्थल को बाहर किए जाने के फैसले की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि हेडिंग्ले में इंग्लैंड का रिकार्ड शानदार रहा है, जहां टीम ने लगातार सात टेस्ट मैच जीते हैं, जो उसकी ऐतिहासिक महत्वता को दर्शाता है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने भी इस फैसले पर सवाल उठाए।

ओलंपियन निशानेबाज सरबजोत को देखकर अंबाला में निशानेबाजी का रुझान बढ़ा

अंबाला। हरियाणा के अंबाला शहर में आजकल युवाओं के बीच निशानेबाजी का रुझान बढ़ा है। इसका कारण यहां से निकले निशानेबाज सरबजोत सिंह को पेरिस ओलंपिक में मिली सफलता है। इससे एक समय जहां यहां के युवा पहलवान बनना चाहते थे। वहीं अब निशानेबाज बनना चाहते हैं। इसी कारण अंबाला की विभिन्न निशानेबाजी अकादमियों में बच्चों और युवाओं की भी भीड़ बढ़ रही है। अब यहां के उभरते हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करना चाहते हैं। वहीं अभिभावक भी अपने बच्चों में बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्हें निशानेबाज की बारीकियां सीखने के लिए अकादमियों तक लेकर पहुंच रहे हैं। यह दिखाता है कि अब निशानेबाज को केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर विकल्प के तौर पर भी देखा जा रहा है। वहीं सरबजोत सिंह के कोच अभिषेक राणा भी अंबाला में अपनी अकादमियों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन, एकाग्रता और सही दिशा देना भी है, जो किसी भी खेल और जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे मानते हैं कि एक संतुलित दृष्टिकोण ही खिलाड़ियों को लंबी रेस का घोड़ा बनाता है।

पाक को लेकर बीसीसीआई के दोहरे रवैये पर उठे सवाल

एसीसी बैठक में पीसीबी प्रमुख नकवी के साथ बैठे नजर आये राजीव शुक्ला

बैंकाक

एक ओर जहां भारतीय क्रिकेटर आईसीसी टूर्नामेंटों में भी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिला रहे और दूरी बरत रहे हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का दौहरा रवैया सामने आया है। बैंकाक में हाल ही में संपन्न हुई एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की सालाना आम बैठक का एक वीडियो आया है, इसमें बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ ही एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी के साथ गर्मजोशी से ठहाके लगाते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो से बीसीसीआई के दोहरे मापदंडों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि इस अहम बैठक में सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से खालिद अलजारूमी को नया एसीसी उपाध्यक्ष चुना गया। सबसे बड़ा प्रशासनिक निर्णय अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) को लेकर रहा, जिसे अब भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की तर्ज पर एसीसी प्रेसीडेंसी के रोटेशनल फ्रेमवर्क में शामिल किया गया है। यह फैसला क्षेत्रीय क्रिकेट के विस्तार और प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक राजीव शुक्ला के आचरण से हैरान और नाराज हैं।

पिछले कुछ समय से भारतीय क्रिकेट प्रबंधन और खिलाड़ियों द्वारा पाकिस्तान के साथ राजनीतिक तनाव के चलते मैदान पर या सार्वजनिक मंचों पर दूरी बनाए रखने की नीति का पालन किया जा रहा है। वहीं बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी का इस प्रकार पीसीबी प्रमुख के साथ बात करना सही नहीं माना जा रहा है। एसीसी बैठक में राजीव शुक्ला की तस्वीरें पीसीबी के प्रमुख और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ देखकर प्रशंसक भड़क गये। सोशल मीडिया पर प्रशंसक यह सवाल उठा रहे हैं कि जनता के सामने राष्ट्रवाद और सख्त कूटनीति का दिखावा करने वाले बोर्ड के प्रतिनिधि बैठकों में इतनी आत्मीयता क्यों दिखाते हैं।

वैभव से भी अधिक असाधारण और अनूठा रहा था पार्थिव पटेल का डेब्यू, एक भी फर्स्ट क्लास मैच खेले बिना ही उतरे थे टेस्ट खेलने

मुम्बई। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही छाये हुए हैं। सभी ओर उन्हीं की चर्चाएं हो रही हैं पर भारतीय क्रिकेट इतिहास में ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी एक ऐसा डेब्यू हुआ है। ये वैभव से भी अधिक असाधारण और अनूठा था। यह पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का डेब्यू रहा है। पार्थिव ने साल 2002 में भारतीय टेस्ट टीम में सीधे प्रवेश कर एक ऐसा रिकार्ड बनाया था, जिसे तोड़ना लगभग नामुमकिन सा लगता है। यह इसलिए क्योंकि पार्थिव ने अपने टेस्ट डेब्यू से पहले एक भी फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला था। जी हां, उन्होंने रणजी ट्राफी जैसे घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारुप में बिना कोई मैच खेले ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। यह अपने आप में एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उस समय पार्थिव केवल 17 साल के थे और उन्होंने 2002 में ही इंडिया-ए के लिए अपने शानदार प्रदर्शन से तत्कालीन भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को काफी प्रभावित किया था। गांगुली, जो हमेशा युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे, उन्होंने पार्थिव के टैलेंट को पहचानते हुए उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे राष्ट्रीय टेस्ट टीम में शामिल करने का फैसला किया। यह दिखाता है कि गांगुली को पार्थिव की क्षमताओं पर कितना विश्वास था। पार्थिव के नाम आज भी भारत के लिए सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले विकेटकीपर का रिकार्ड दर्ज है। उन्होंने 17 साल 152 दिन की उम्र में यह ऐतिहासिक पदार्पण किया था। भले ही डेब्यू मैच की पहली पारी में वे आठ गेंदें खेलकर शून्य पर आउट हो गए और दूसरी पारी में केवल 19 रन बना सके, लेकिन उनका यह पदार्पण ही अपने आप में एक कहानी थी जो हमेशा याद रखी जाएगी। यह स्कोर उनकी यात्रा की भव्यता को कम नहीं करता। पार्थिव पटेल का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही उनकी शुरुआती चमक के अनुरूप बहुत लंबा नहीं खिंच पाया, लेकिन उन्होंने भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने करियर में कुल 25 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतकों की मदद से 934 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 38 एकदिवसीय मैचों में 736 रन और 2 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 36 रन भी जोड़े।

महिला हॉकी विश्व कपः ऑस्ट्रेलिया से गोलरहित ड्रॉ के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल उम्मीदें खत्म

एमस्टेलवीन

भारतीय महिला हॉकी टीम की एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। निर्णायक पूल-ई मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। इस नतीजे के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह बना ली, जबकि भारत अब पांचवें-छठे स्थान के लिए खेलेगा।

भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी। इससे पहले दिन में नीदरलैंड्स ने चीन को हराया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ ड्रॉ ही सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त था। ऑस्ट्रेलिया ने अधिक गोल करने के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई। भारत और चीन के दो-दो अंक रहे, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण भारत तीसरे स्थान पर रहा। भारत का गोल अंतर माइनस दो और चीन का माइनस तीन रहा। इस पूल से मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड्स और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से बनाया दबाव - ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा और भारत पर दबाव डाला। दूसरे मिनट में ऑस्ट्रेलिया ने गोल कर दिया था, लेकिन भारत ने तुरंत वीडियो रेफरल लिया। रीप्ले में गेंद के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की स्टिक से भारतीय डिफेंडर के शरीर पर लगने की पुष्टि के बाद गोल रद्द कर दिया गया। भारत को शुरुआती दौर में कुछ मौके मिले, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। 10वें मिनट में गोलकीपर सविता पुनिया ने एमी लॉटन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर भारत को बचाया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में सविता की जगह बिचु देवी ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 19वें मिनट में ग्रेस यंग के प्रयास को डाइव लगाकर रोकते हुए शानदार बचाव किया। भारत को 30वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस ने उसे सफलतापूर्वक रोक दिया। पहले हाफ के बाद दोनों टीमें 0-0 से बराबरी पर थीं।

दूसरे हाफ में भी नहीं आया निर्णायक गोल - भारत ने दूसरे हाफ में आक्रामक रुख अपनाया और अधिक खिलाड़ियों को आगे भेजा, लेकिन फॉरवर्ड खिलाड़ियों के बीच तालमेल और अंतिम पास में वह धार नहीं दिखी जिसकी टीम को जरूरत थी।

नाइटक्लब के बाहर हथकड़ी में दिखे ब्राइडन कार्स, इंग्लैंड ने शुरु की जांच

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स को काउंटी चैम्पियनशिप में जीत के बाद जश्न मनाना भारी पड़ता दिख रहा है। इस दौरान हुए झगड़े के बाद का एक वीडियो आया है। इसमें कार्स को डरबी के एक नाइटक्लब के बाहर पुलिस अधिकारियों से घिरे हुए और हाथों में हथकड़ी पहने देखा गया। वायरल हुए इस वीडियो में, कार्स को नाइटक्लब के बाहर उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू पाट्स और बेन स्टोक्स के साथ देखा गया। पाट्स इस दैरान उनसे बात करने का भी प्रयास कर रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी उन्हें घेरे हुए थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार्स को हिरासत में लिया गया था पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ब्राइडन किस विवाद में फंसे थे। इस घटना पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच भी शुरू कर दी है। ईसीबी ने एक बयान जारी कर पुष्टि की है कि उन्हें डरबी में हुई इस घटना की जानकारी है और वे इसके बारे में पता कर रहे हैं। गौरतब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए कप्तान जो रूट ने हाल ही में खिलाड़ियों से कहा था कि वे इस प्रकार से काम करें कि दूसरो के लिए आदर्श बनकर उभरें। कार्स इस समय पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दल में शामिल हैं, पर उन्हें पहले टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी।

अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल में अल्काराज-सेरेना की भिड़ंत क्वालीफायर से जोकोविच-सबालेन्का के सामने टियाफो-फर्नांडीज

न्यूयार्क

अमेरिकी ओपन 2026 के मिश्रित युगल मुकाबलों का ड्रा जारी हो गया है। कार्लोस अल्कराज और सेरेना विलियम्स की जोड़ी पहले दौर में एक क्वालीफायर जोड़ी का सामना करेगी। वहीं शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेन्का के सामने फ्रांसिस टियाफो और लेयला फर्नांडीज की जोड़ी होगी।

अल्कराज और सेरेना को 16 टीमों के इस मिश्रित युगल टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। सेरेना 2022 के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन में वापसी करेंगी। वहीं अल्कराज भी इस विशेष प्रारूप में उनके साथ कोर्ट पर नजर आएंगे।

क्वालीफायर के खिलाफ मुकाबला अल्कराज और सेरेना के लिए आसान नहीं माना जा रहा है, क्योंकि क्वालीफाइंग दौर से आने वाली जोड़ियों में विशेषज्ञ युगल खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। इस साल टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग प्रतियोगिता को शामिल किया गया है।

जोकोविच-सबालेन्का के सामने टियाफो-फर्नांडीज - शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच और सबालेन्का पहले दौर में वाइल्ड कार्ड प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और लेयला फर्नांडीज से भिड़ेंगे।

अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और टेलर फ्रिट्ज के सामने डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड की चुनौती होगी। वहीं दो बार की मौजूदा चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी की जोड़ी पहले दौर में मिर्रा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव से खेलेगी।

अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल ड्रा

- नोवाक जोकोविच/आर्यना सबालेन्का बनाम फ्रांसिस टियाफो/लेयला फर्नांडीज
- गाएल मोनफिल्स/एलीना स्वितोलिना बनाम फेलिक्स आजे-अलियासिम/एलेक्जेंड्रा एला
- बेलिंडा बेनसिच/फ्लावियो कोबोली बनाम अलेक्जेंडर ज्वेरेव/टेलर टाउनसेंड
- कार्लोस अल्कराज/सेरेना विलियम्स बनाम क्वालीफायर
- याकूब मेन्सिक/करोलिना मुचोवा बनाम क्वालीफायर
- टामी पाल/एमा नवारो बनाम लर्नर टीएन/अमांडा अनिसिमोवा
- आंद्रे रुबलेव/मिर्रा आंद्रीवा बनाम आंद्रेआ वावासोरी/सारा इरानी
- कैस्पर रूड/डायना श्नाइडर बनाम टेलर फ्रिट्ज/जेसिका पेगुला

असम प्रीमियर लीग के क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा देने से स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मजबूत मंच

गुवाहाटी

असम प्रीमियर लीग के पहले सत्र का समापन को बरपेटा ब्रेव्स के चैंपियन बनने के साथ हुआ। फाइनल में बरपेटा ब्रेव्स ने गुवाहाटी रायल्स को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीसीएम स्पोर्ट्स की इस लीग ने अपने पहले ही सत्र में असम की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान किया।

पहले सत्र में कई युवा खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। डेनिश दास ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद दलीप ट्राफी टीम में जगह बनाई। दलीप ट्राफी के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने असम प्रीमियर लीग में शतक भी लगाया। रोहित सेन, बस्तब राय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

लीग में असम की आठ टीमों के करीब 150 खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। इस दौरान आईपीएल की टीमों कोलकाता नाइट राइडर्स और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रतिभा खोजकर्ता हर मुकाबले में मौजूद रहे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मौजूदगी ने भी लीग में बढ़ती दिलचस्पी को रेखांकित किया।

फाइनल देखने पहुंचे 25 हजार से अधिक दर्शक

टूर्नामेंट में कई बड़े स्कोर, 200 से अधिक रन के सफल लक्ष्य का पीछा और आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले को 25 हजार से अधिक दर्शकों ने स्टेडियम में बैठकर देखा, जो असम में लीग की लोकप्रियता का प्रमाण रहा।

असम क्रिकेट संघ के अध्यक्ष तरंगा गोगोई ने कहा कि असम प्रीमियर लीग राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में मौजूद प्रतिभाओं को नियमित प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अवसर देना उनके विकास के लिए बेहद जरूरी है।

सोशल मीडिया पर भी मिली बड़ी सफलता

असम प्रीमियर लीग को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पूरे टूर्नामेंट के दौरान लीग से जुड़े कंटेंट को 10 करोड़ से अधिक आर्गेनिक व्यूज मिले। खास बात यह रही कि यह पहुंच बिना मीडिया खर्च, इन्फ्लुएंसर अभियान या बड़ी सोशल मीडिया फालोइंग वाले खिलाड़ियों पर निर्भरता के हासिल हुई। व्यावसायिक स्तर पर भी लीग ने पहले सत्र में मजबूत शुरुआत की। अलग-अलग क्षेत्रों से 14 प्रायोजक और साझेदार लीग से जुड़े, जिससे इसके भविष्य में व्यावसायिक विस्तार की उम्मीद बढ़ी है। टीसीएम स्पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक लोकेश शर्मा ने कहा कि असम प्रीमियर लीग ने राज्य के लोगों को अपनी खुद की लीग का अनुभव दिया और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मंच प्रदान किया। उन्होंने डेनिश दास, रोहित सेन, बस्तब राय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर के प्रदर्शन को विशेष रूप से उत्साहजनक बताया। टीसीएम स्पोर्ट्स असम के अलावा तेलंगाना में टीजी-20 और कर्नाटक में महाराजा ट्राफी जैसी लीगों के जरिए देश के विभिन्न राज्यों में क्रिकेट के क्षेत्रीय ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वसनीय मंच और नियमित प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है।